प्रेषक,

उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
हापुड (गाजियाबाद)

सेवा में,

1. जिला विद्यालय निरीक्षक
   जनपद गाजियाबाद एवं हापुड
2. बेसिक शिक्षा अधिकारी
   जनपद गाजियाबाद एवं हापुड।
3. समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी
   जनपद गाजियाबाद एवं हापुड।

पत्रांकः डायट 01/ 1102-04 /2021–22 दिनांक 03.01.2022

विषयः पंचम आदर्श पाठयोजना एवं कक्षा शिक्षण पुरस्कार वर्ष 2021–22 के संबंध में।

महोदय/महोदया,

उपर्युक्त विषयक निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् उ0प्र0, लखनऊ के पत्रांक रा0शै0/33593–857/2021–22 दिनांक 08 दिसम्बर 2021 का संदर्भ ग्रहण करें जो पंचम आदर्श पाठयोजना एवं कक्षा शिक्षण पुरस्कार के संबंध में है। शिक्षकों को योजनाबद्ध तरीकें से शिक्षण कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद उ0प्र0 द्वारा वर्ष 2017–18 से आदर्श पाठयोजना प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

उक्त प्रतियोगिता का आयोजन दो चरणों में किया जायेगा। प्रथम चरण में जनपद स्तर पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा तथा द्वितीय चरण में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के अन्तर्गत राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् उ0प्र0, लखनऊ द्वारा जनपद से प्राप्त प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों तथा डायट प्रवक्ताओं की पाठयोजनाओं की स्क्रीनिंग एवं मूल्यांकन किया जाएगा। पंचम आदर्श पाठयोजना पुरस्कार प्रतियोगिता तीन वर्गो में होगी 1. प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों हेतु। 2. माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों हेतु। 3. शिक्षक–प्रशिक्षकों हेतु।

जनपद स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन डायट, हापुड़ (गाजियाबाद) द्वारा किया जायेगा तथा प्रतिभागियों से पाठयोजना आनलाइन प्राप्त की जाएगी। निर्मित पाठयोजना को संस्थान की ई–मेल आई0डी diet.ghazibad@gmail.com पर उपलब्ध कराया जायें। पाठयोजना प्रतियोगिता संबंधी निर्देश एवं समय सारिणी, जनपदवार आवंटित विषयों का विवरण तथा पाठयोजना लिखने हेतु निर्देश संलग्न है। पाठयोजना प्रतियोगिता का विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाये तथा अधिक से अधिक शिक्षकों की प्रतिभागिता सुनिश्चित की जायें। जनपद स्तर पर पाठयोजना प्राप्त करने की अन्तिम तिथि निम्नवत् है–

क0सा0	कार्य	समयावधि
1.	शिक्षकों–प्रशिक्षकों से पाठयोजना संस्थान स्तर पर प्राप्त करने की तिथि	06 जनवरी 2022
2.	प्राथमिक, उच्च प्राथमिक तथा माध्यमिक शिक्षकों से पाठयोजनायें प्राप्त करने की तिथि	17 जनवरी 2022

नोटः प्रतियोगिता से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए डायट की Official website- www.diethapur.com पर visit करें, तथा प्रतियोगिता नोडल प्रवक्ता श्रीमती बबीता, मो0नं0 9917040505 से सम्पर्क करें।

संलग्नक–उक्तवत्।

भवदीय
3/1/2022
उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
हापुड (गाजियाबाद)

प्रेषक,

निदेशक,
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश,
लखनऊ।

सेवा में,

1. **प्राचार्य,**
   जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान,
   समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश।
2. **प्राचार्य,**
   कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन,
   वाराणसी।

पत्रांक: रा0शै0/ 33593-857 /2021–22 **दिनांक:** 08 दिसम्बर, 2021

विषय: पंचम आदर्श पाठयोजना एवं कक्षा शिक्षण पुरस्कार वर्ष 2021–22 के सम्बन्ध में।

महोदय,

वर्तमान में छात्रों के शिक्षण संबंधी परिणाम (Learning Outcome) की सम्प्राप्ति तथा सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। शिक्षण से पूर्व पाठयोजना का निर्माण इस लक्ष्य की प्राप्ति का एक प्रमुख घटक है। शिक्षण के क्षेत्र में अपेक्षित अधिगम सम्प्राप्ति हेतु शिक्षक द्वारा योजना बनाकर शिक्षण कार्य किया जाना अनिवार्य है। शिक्षण योजना के अन्तर्गत शिक्षक द्वारा शिक्षण संबंधी परिणाम (Learning Outcome) को ध्यान में रखते हुए किसी पाठ विशेष को पढ़ाने के उद्देश्य, छात्रों की अपेक्षित अधिगम सम्प्राप्ति (Learning Outcome), शिक्षण विधि (शिक्षक–क्रिया एवं छात्र–क्रिया), उपयोग की जाने वाली शिक्षण सामग्री (TLM), अनुभव देने की गतिविधियाँ, मूल्यांकन विधि (निर्धारित शिक्षण संबंधी परिणाम की सुनिश्चितता हेतु), समयावधि आदि का चरणबद्ध विवरण तैयार किया जाता है।

शिक्षकों को योजनाबद्ध तरीके से शिक्षण कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा वर्ष 2017–18 से आदर्श पाठयोजना प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस कम में वर्ष 2021–22 में पचम आदर्श पाठयोजना प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है, जिसके अन्तर्गत जनपद एवं प्रदेश स्तर पर पाठ योजनाएँ आमंत्रित कर सर्वश्रेष्ठ पाठ योजनाएं तैयार करने वाले शिक्षकों को चयनित किया जाएगा।

जनपद स्तर पर चयनित पाठयोजनाएँ परिषद कार्यालय को समय–सारिणी के अनुसार ई–मेल **scertlecturer.edu@gmail.com** पर **दिनांक 04.02.2022** तक उपलब्ध करायी जाये। पाठयोजना प्रतियोगिता संबंधी निर्देश एवं समय सारिणी (संलग्नक–1), जनपदवार आवंटित विषयों का विवरण (संलग्नक–2) तथा पाठयोजना लिखने हेतु निर्देश (संलग्नक–3) संलग्न है। पाठयोजना प्रतियोगिता का विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाये तथा अधिक से अधिक शिक्षकों की प्रतिभागिता सुनिश्चित की जाये। सभी जनपदों की प्रतिभागिता अनिवार्य है।

संलग्नक–उक्तवत्।

भवदीय,

8.12.2021

डॉ0(सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह)
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0, लखनऊ।

पृ०सं०: राशै/ 33593-857 /2021-22 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. राज्य परियोजना निदेशक, उ0प्र0 सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद, विद्याभवन, निशातगंज, लखनऊ।
2. शिक्षा निदेशक (माध्यमिक), उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
3. शिक्षा निदेशक (बेसिक), उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
4. सचिव, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज।
5. सचिव, उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज।
6. संयुक्त शिक्षा निदेशक (प्रशिक्षण), परिषद मुख्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
7. मण्डलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, समस्त मण्डल, उत्तर प्रदेश।
8. समस्त अधिकारी, परिषद मुख्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
9. मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), समस्त मण्डल, उत्तर प्रदेश।
10. **जिला विद्यालय निरीक्षक, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश को इस निर्देश के साथ कि उक्त प्रतियोगिता का अपने स्तर से व्यापक प्रचार–प्रसार कराते हुए अधिक से अधिक शिक्षकों को प्रतिभाग हेतु प्रेरित करें।**
11. **जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, समस्त जनपद, उत्तर प्रदेश को इस निर्देश के साथ कि उक्त प्रतियोगिता का अपने स्तर से व्यापक प्रचार–प्रसार कराते हुए अधिक से अधिक शिक्षकों को प्रतिभाग हेतु प्रेरित करें।**
12. प्रशासनिक अधिकारी, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0, लखनऊ।

8-12-21

डॉ0(सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह)
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0, लखनऊ।

पाठयोजना प्रतियोगिता हेतु निर्देश एवं समय–सारिणी

चतुर्थ आदर्श पाठयोजना पुरस्कार प्रतियोगिता **तीन वर्गों** में होगी–

(1) प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों हेतु।

(2) माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों हेतु।

(3) शिक्षक–प्रशिक्षकों हेतु

(1) शिक्षक–प्रशिक्षकों हेतु–जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान के शिक्षकों द्वारा डी0एल0एड0 (बी0टी0सी0) में पढ़ाये जाने वाले सैद्धान्तिक विषयों की पाठयोजना/शिक्षण योजना तैयार की जाएगी। पाठयोजना/शिक्षण योजना 30–45 मिनट के कालांश के लिए होगी। यदि कोई इकाई/ प्रकरण विस्तृत है तो उस इकाई/प्रकरण (Unit/Topic) को 2 या 3 भागों में बाँटकर उसकी पाठयोजना तैयार की जाएं। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान संलग्न **सारणी–1** में अपने जनपद के सम्मुख उल्लिखित डी0एल0एड0 के सैद्धांतिक विषयों पर आधारित पाठयोजना प्रतियोगिता का आयोजन करेंगे तथा प्राप्त पाठयोजनाओं के आधार पर प्रत्येक विषय में कम से कम 5 शिक्षक–प्रशिक्षकों का चयन करेंगे। उनकी पाठयोजनाओं का डिजिटल संस्करण तैयार करायेंगे तथा उनमें से दो श्रेष्ठ पाठयोजनाएँ राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को प्रेषित करेंगे। पाठयोजना के कार्यान्वयन एवं व्यवहारिकता के आकलन हेतु उसका प्रस्तुतीकरण सोशल डिसटेंसिंग कोविड–19 के अन्तर्गत सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए डायट स्तर पर कराया जा सकता है।

(2) प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों हेतु–प्राथमिक स्तर के शिक्षकों द्वारा हिन्दी, अंग्रेजी, गणित तथा पर्यावरण अध्ययन की पाठयोजना तैयार की जाएगी तथा उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों द्वारा हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान विषय की पाठयोजना/शिक्षण योजना तैयार की जाएगी। पाठयोजना/शिक्षण योजना 30 मिनट के कालांश के लिए होगी।

(3) माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों हेतु–माध्यमिक स्तर के शिक्षकों द्वारा कक्षा 6 से 12 में पढ़ाये जाने वाले किसी भी विषय पर पाठ योजना/शिक्षण योजना तैयार की जायेगी। पाठयोजना/शिक्षण योजना 35 मिनट के कालांश के लिए होगी।

प्राथमिक, उच्च प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की आदर्श पाठयोजना प्रतियोगिता दो स्तरों पर होगी–

(क) जनपद स्तरीय प्रतियोगिता–

- जनपद स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन डायट द्वारा किया जाएगा। पाठयोजना प्रतियोगिता का जनपद स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए।
- जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों से पाठयोजनाएँ ऑनलाइन प्राप्त की जाएं। जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारियों, एस0आर0जी0 एवं ए0आर0पी के माध्यम से इसे प्रचारित कराकर अधिक से अधिक से शिक्षकों को इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग हेतु प्रोत्साहित किया जाए।
- प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों से संलग्न **सारिणी–2** में उल्लिखित के अनुसार पाठयोजनायें आमंत्रित की जाए।
- जनपद स्तर पर प्राप्त पाठयोजनाओं का मूल्यांकन तथा स्क्रीनिंग विशेषज्ञों के पैनल के माध्यम से करायी जाएं।
- विशेषज्ञों के पैनल गठित करते समय विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों के शिक्षा शास्त्र विभाग के शिक्षकों/विशेषज्ञों को वरीयता दी जाए।
- विषयवार चयनित 5 श्रेष्ठ पाठयोजनाओं वाले शिक्षकों को जनपद स्तर पर सम्मानित किया जाए।

- जनपद स्तर पर चयनित पाठयोजनाओं में से श्रेष्ठ 10–15 पाठयोजनाओं को संकलित कराकर उसकी बुकलेट तैयार करायी जाए तथा उसकी सॉफ्ट एवं हार्ड कॉपी सभी शिक्षकों के साथ साझा की जाए।
- संलग्न सारिणी–2 के अनुसार जनपद स्तर पर चयनित कक्षाओं/विषय की एक–एक श्रेष्ठ पाठयोजना का चयन करते हुए परिषद कार्यालय को ई–मेल **scertlecturer.edu@gmail.com** पर दिनांक 04.02.2022 तक प्राप्त करायी जायें।

(ख) <u>राज्य स्तरीय प्रतियोगिता–</u> राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के अन्तर्गत राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा जनपद से प्राप्त प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों एवं माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों तथा डायट प्रवक्ताओं की पाठयोजनाओं की स्क्रीनिंग एवं मूल्यांकन किया जाएगा।

- पाठयोजनाओं का मूल्यांकन जनपद एवं राज्य स्तर पर निम्नवत् सारणी में दिये गये घटकों के अनुसार कराया जाएं–

क्र0सं0	पाठयोजना के चरण	पूर्णांक	प्राप्तांक
1	सामान्य उद्देश्य	02	
2	विशिष्ट उद्देश्य	05	
3	पूर्वज्ञान	02	
4	प्रस्तावना प्रश्न	02	
5	उद्देश्य कथन एवं प्रस्तावना	05	
6	शिक्षण विधि (पाठ का विकास एवं प्रस्तुतीकरण)	15	
7	बोध प्रश्न	05	
8	छात्रों के ज्ञान, समझ व कौशल का आकलन	05	
9	पुनरावृत्ति प्रश्न	02	
10	प्रकरण का सारांश (श्यामपट्ट सारांश)	05	
11	गृहकार्य	02	
	कुल	**50**	

- पाठयोजना प्रतियोगिता हेतु **समय–सारिणी** निम्नवत् है–

क्र0 सं0	कार्य	समयावधि
1.	शिक्षक–प्रशिक्षकों से पाठयोजना संस्थान स्तर पर प्राप्त कर उनका मूल्यांकन करना	दिनांक 31.12.2021 तक
2.	जनपद स्तर पर चयनित शिक्षक–प्रशिक्षकों की पाठयोजनायें परिषद कार्यालय में उपलब्ध कराना	दिनांक 07.01.2022 तक
3.	प्राथमिक, उच्च प्राथमिक तथा माध्यमिक शिक्षकों से पाठयोजनायें प्राप्त करना	दिनांक 17.01.2022 तक
4.	प्राथमिक, उच्च प्राथमिक तथा माध्यमिक शिक्षकों से प्राप्त पाठयोजनाओं की स्क्रीनिग एवं मूल्यांकन	दिनांक 24.01.2022 तक
5.	जनपद स्तर पर चयनित प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों की पाठयोजनायें परिषद कार्यालय में उपलब्ध कराना	दिनांक 31.01.2022 तक
6.	राज्य स्तर पर प्राप्त पाठयोजनाओं की स्क्रीनिग एवं मूल्यांकन	माह फरवरी 2022

पाठयोजना प्रतियोगिता हेतु जनपदवार आवंटित विषय

➢ ***डायट को पाठयोजना हेतु आवंटित डी0एल0एड0 के सैद्धांतिक विषय***

जनपद	विषय	पाठयोजना की संख्या
आगरा, अलीगढ़, मैनपुरी, मथुरा, फिरोजाबाद, प्रयागराज, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशाम्बी, गोरखपुर, हमीरपुर, बुलन्दशहर, सिद्धार्थनगर (13)	बाल विकास एवं सीखने की प्रक्रिया	02
हाथरस, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, बरेली, बदायूँ, पीलीभीत, शाहजहाँपुर, लखनऊ, सीतापुर, संतकबीरनगर, महोबा (12)	वर्तमान भारतीय समाज एवं प्रारंभिक शिक्षा	02
एटा, लखीमपुर खीरी, हरदोई, उन्नाव, चन्दौली, रायबरेली, झांसी, जालौन, गोण्डा, ललितपुर, मुरादाबाद, बस्ती (12)	शैक्षिक मूल्यांकन क्रियात्मक शोध एवं नवाचार	02
बहराइच, रामपुर, बिजनौर, अमरोहा, बलरामपुर, मिर्जापुर, भदोही, सोनभद्र, आजमगढ़, बलिया, मऊ, वाराणसी (12)	शिक्षण अधिगम के सिद्धांत	02
कानपुरनगर, कानपुरदेहात, फर्रूखाबाद, इटावा, औरैया, कन्नौज, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, गाजीपुर, चित्रकूट, बांदा, (11)	प्रारंभिक शिक्षा के नवीन प्रयास	02
फैजाबाद, सुल्तानपुर, श्रावस्ती बाराबंकी, अम्बेडकरनगर, मेरठ, जौनपुर, हापुड़, नोयडा, बागपत (10)	समावेशी शिक्षा	02
डायट के संकाय सदस्य एक पाठयोजना उनके जनपद को आवंटित विषय की बनानी होगी तथा एक पाठयोजना स्वैच्छिक विषय की बना सकते हैं।		

➢ ***प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर की पाठयोजना हेतु आवंटित कक्षा एवं विषय***

कक्षा	विषय	जनपद
कक्षा 1, 2, 3	हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, पर्यावरण अध्ययन	आगरा, मैनपुरी, मथुरा, फिरोजाबाद, एटा, कासगंज, प्रयागराज, प्रतापगढ़ फतेहपुर, कौशाम्बी, कानपुर नगर, कानपुर देहात, फर्रूखाबाद, इटावा, औरैया, कन्नौज, मेरठ, बागपत, बुलन्दशहर, गाजियाबाद, हापुड़, नोयडा (गौतमबुद्धनगर), अलीगढ़, हाथरस **(24)**
कक्षा 6	हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन	
कक्षा 1, 2, 4	हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, पर्यावरण अध्ययन	गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, बरेली, बदायूँ, शाहजहाँपुर, पीलीभीत, लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, आजमगढ़, बलिया, मऊ, फैजाबाद, सुल्तानपुर, अमेठी, अम्बेडकरनगर, बाराबंकी, गोण्डा, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, **(26)**
कक्षा 7	हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन	
कक्षा 1, 2, 5	हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, पर्यावरण अध्ययन	वाराणसी, चन्दौली, जौनपुर, गाजीपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, भदोही, झांसी, जालौन, ललितपुर, मुरादाबाद, सम्भल, अमरोहा, रामपुर, बिजनौर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बस्ती, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर **(25)**
कक्षा 8	हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन	

जनपदों द्वारा अपने नाम के सम्मुख अंकित कक्षाओं एवं विषयों की एक–एक श्रेष्ठ पाठयोजना उपलब्ध करानी होंगी। डायट–एटा, सुल्तानपुर, हापुड़, मुरादाबाद एवं मुजफ्फरनगर द्वारा अपने जनपद एवं क्रमशः जनपद कासगंज, अमेठी, गाजियाबाद, सम्भल एवं शामली के शिक्षकों से भी पाठयोजनाएँ प्राप्त की जाएंगी।

➢ *माध्यमिक स्तर के शिक्षकों द्वारा कक्षा 6 से 12 के किसी भी विषय की पाठयोजना तैयार की जा सकती है।*

पाठ योजना के प्रत्येक चरण को लिखने/बनाने हेतु दिशा–निर्देश

पाठयोजना एक संगठित संरचना है, जो शिक्षक को यह दिशा–निर्देश देती है कि निर्धारित समय में शिक्षक उपलब्ध साधनों का प्रयोग किस प्रकार करें एवं किसप्रकार का प्रयास करें कि बच्चों के निर्धारित लर्निंग आउटकम को प्राप्त किया जा सकें। पाठयोजना यह भी बताती है कि बच्चों को सिखाने के लिए एवं सीखने के लिए क्या आवश्यक है। इसमें बच्चों को दिये गये ज्ञान के आकलन का तरीका सम्मिलित होता है।

पाठयोजना हेतु प्रारूप– पाठयोजना बनाने तथा पाठयोजना के प्रत्येक चरण को लिखने के लिए कई प्रकार के प्रारूप होते है। **परम्परागत पाठयोजना में सामान्य उद्देश्य, विशिष्ट उद्देश्य, सहायक सामग्री, पूर्व ज्ञान, प्रस्तावना, उद्देश्य कथन, शिक्षण विधि, बोध प्रश्न, श्यामपट्ट सारांश, मूल्यांकन, पुनरावृत्ति, गृह कार्य आदि होते है।** पाठयोजना के स्टेप्स निम्नवत् है–

क) सामान्य उद्देश्य (General Aims)– पाठयोजना बनाते समय या उसको लिखिते समय सबसे पहले सामान्य उद्देश्य निर्धारित कर लिखे जाते है। सामान्य उद्देश्य के अन्तर्गत सम्बन्धित विषय के शिक्षण उद्देश्य को सम्मिलित किया जाता है जो हमारे दैनिक जीवन में व्यवहार परिवर्तन को सम्बोधित करता है। जैसे–विज्ञान विषय में सामान्य उद्देश्य इस प्रकार होंगे–

1. बच्चों की विज्ञान विषय में रूचि विकसित करना।
2. विज्ञान तथा तकनीकी मूल्यों को बच्चों के व्यवहार में समायोजित करना।
3. वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।
4. दैनिक जीवन की गतिविधियों को विज्ञान से जोड़ना।

सामान्य उद्देश्य के निर्धारण के बाद विशिष्ट उद्देश्य की बारी आती है। यह पाठयोजना का बहुत ही महत्त्वपूर्ण चरण है और इसको निर्धारित करते समय बहुत ध्यान देने की आवाश्यकता होती है।

ख) विशिष्ट उद्देश्य (Specific Objective)– के अन्तर्गत पढ़ाये जाने वाले प्रकरण के उद्देश्य निर्धारित किये जाते है। विशिष्ट उद्देश्य से पाठ की समाप्ति पर किन शिक्षण सम्बन्धी परिणामों की प्राप्ति होगी, यह स्पष्ट होना चाहिए। विशिष्ट उद्देश्य वे कथन है जो सीखने–सिखाने की प्रकिया के उपरान्त छात्रों के ज्ञान, दृष्टिकोण और कौशल के सन्दर्भ में शिक्षण सम्बन्धी परिणामों **(Learning Outcomes)** का वर्णन करते है।

- पाठयोजना मे विशिष्ट उद्देश्य छात्रों के संज्ञानात्मक (कॉगनेटिव) भावात्मक पक्ष/डोमेन (Affective Domains), मनोप्रेरणा पक्ष/डोमेन (Psychomotor Domains) विकास को प्रदर्शित करने वाले होने चाहिए। शिक्षण के संदर्भ में विशिष्ट उद्देश्य को हम इस उदाहरण के द्वारा स्पष्ट कर सकते है–

  जैसे–विज्ञान विषय में एक प्रकरण विशेष के विशिष्ट उद्देश्य निम्नवत् हो सकते हैं–

- **संज्ञानात्मक पक्ष/डोमेन (Cognitive Domains)-कतिपय उदाहरण निम्नवत है–**

1. **ज्ञानात्मक (Knowledge)-**

   छात्र अम्ल व क्षार के तत्व बता सकेंगे/अम्ल और क्षार को परिभाषित कर सकेगा।

2. **बोधात्मक (Understanding)-**
   - छात्र अम्ल व क्षार का अंतर बता सकेंगे/वर्णन कर सकेंगे।
   - छात्र अम्ल व क्षार की सूची बनाने में सक्षम हो जाएगा/सूची बना सकेंगे।

3. **अनुप्रयोगात्मक (Application)-**
   - छात्र प्रयोग द्वारा अम्ल व क्षार में अंतर करने में सक्षम हो सकेंगे/अन्तर कर सकेंगे।
   - दैनिक जीवन में अपने परिवेश से जुड़ी वस्तुओं में उक्त अंतर को बता सकेंगे।

ज्ञानात्मक, बोधात्मक व क्रियात्मक पक्ष का आकलन करने हेतु Action Verb का प्रयोग कर विशिष्ट उद्देश्यों को मापने योग्य बनाया जा सकता है।

- **भावात्मक पक्ष/डोमेन (Affective Domains)-** छात्र कक्षा–शिक्षण की गतिविधियों में प्रतिभाग करने में सक्षम हो जाएंगे। इसमें रूचि लेना रिसीविंग अर्थात ग्रहण करने/सीखने की इच्छा, रिस्पॉड करना आदि होंगे।
- **मनोप्रेरणा पक्ष/डोमेन (Psychomotor Domains)-** छात्र रेखाचित्र बनाने में/वाक्य लिखने में/समस्या का समाधान करने में सक्षम हो जाएंगे। आर्ब्जवेशन इण्डक्शन?

इसप्रकार लेसन प्लान को बनाते समय विशेष उद्देश्यों को निर्धारित करने एवं लिखने में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

ग) **पाठयोजना में आवश्यक शिक्षण सामाग्री (Required Teaching Material)** का उल्लेख किया जाता है, जिसके अन्तर्गत कक्षा–शिक्षण में प्रयोग किये जाने वाली सामग्रियों व टी0एल0एम0 का उल्लेख किया जाता है।

घ) **अगले स्टेप में पूर्व ज्ञान (Previous Knowledge)** का उल्लेख होता है। शिक्षण प्रारंभ करने से पूर्व बच्चों के पूर्व ज्ञान के आकलन हेतु गतिविधियों का उल्लेख किया जाए। इसके अन्तर्गत यह स्पष्ट रूप से अंकित किया जाना चाहिये कि पढ़ाये जाने वाले प्रकरण से सम्बन्धित पूर्व कक्षा/वादन में क्या पढ़ाया गया था या सिखाया गया था। पूर्व ज्ञान परिवेश से जुड़ा भी हो सकता है।

ड़) **प्रस्तावना (Introduction)-** प्रस्तावना पाठयोजना का एक महत्त्वपूर्ण भाग है क्योंकि यहीं से हम अपने शिक्षण की शुरूआत करते हैं। प्रस्तावना पढ़ाये जाने वाले विषय तक पहुँचने का माध्यम होती है। प्रस्तावना कई प्रकार से हो सकती है जैसे कि प्रश्न द्वारा या अन्य प्रकार से। प्रस्तावना प्रश्नों का डिजाइन इस प्रकार से तैयार किया जाना चाहिए कि उन प्रश्नों से बच्चों की पढ़ाये जाने वाले पाठ या विषयवस्तु के प्रति सोच की जानकारी मिले। प्रस्तावना प्रश्नों में पूर्व ज्ञान व पढ़ायी जाने वाली विषयवस्तु से समन्वय होना चाहिये।

च) **उद्देश्य कथन (Statement of Aim)-** प्रस्तावना के बाद शिक्षक बच्चों के समक्ष पढ़ाये जाने वाले पाठ/विषयवस्तु को स्पष्ट करेंगे। इसका उल्लेख पाठयोजना में होना चाहिए।

छ) **शिक्षण विधि (Teaching Method and Transaction)-** इसके अन्तर्गत पाठ के विकास एवं प्रस्तुतीकरण की विधियों का उल्लेख होगा तथा शिक्षक द्वारा सम्बन्धित प्रकरण का शिक्षण किया जाएगा। अध्याय/प्रकरण का विस्तार **प्रश्नोत्तर विधि/व्याख्यान/गतिविधि/समूह कार्य टी0एल0एम0/आई0सी0टी0** के प्रयोग तथा अन्य शिक्षण विधियों के माध्यम से किया जा सकता है। यहाँ पर शिक्षक एक या एक अधिक शिक्षण विधियों का प्रयोग कर सकता हैं। (नोट–शिक्षण के दौरान अपनायी जाने वाली प्रकिया पाठयोजना में स्पष्ट रूप से लिखी होना चाहिए।)

ज) **आकलन हेतु बोध प्रश्न ज्ञान, समझ व कौशल का आकलन (Test of Comprehen- sion)** इसके अंतर्गत पढ़ाये गये विषय में विकसित हुई समझ के आंकलन हेतु प्रयोग की जाने वाली परम्परागत विधियों तथा नवीन विविधों /प्रविधियों का उल्लेख होना चाहिए।

झ) **श्यामपट्ट सारांश (Black-board Summary)-** पढ़ायी गयी विषयवस्तु का संक्षेप में यथा आवश्यकता श्यामपट्ट पर अंकन किया जाए। फ्लो डायग्राम, चित्र आदि का प्रयोग संक्षिप्तीकरण में किया जा सकता है अथवा इस हेतु पी0पी0टी0 का भी प्रयोग कर सकते है। यह सामग्री पाठयोजना में प्रदर्शित होनी चाहिए।

ञ) **मूल्यांकन (Evaluation)-** विशिष्ट उद्देश्य/शिक्षण सम्बन्धी परिणाम की सम्प्राप्ति के सापेक्ष ही प्रश्नों/गतिविधियों द्वारा बच्चों के ज्ञानात्मक, बोधात्मक, कियात्मक, मनोप्रेरणा पक्षों का मूल्यांकन करते हुए आकलन किया जाना चाहिए। मूल्यांकन से सम्बन्धित प्रश्न और गतिविधियों पाठयोजना में प्रदर्शित होनी चाहिए। **प्रत्येक विशिष्ट उद्देश्य के सापेक्ष प्रश्न और गतिविधि निर्धारित होनी चाहिए, जिससे शिक्षक द्वारा यह आकलन किया जा सके कि उसके द्वारा निर्धारित किये गये विशिष्ट उद्देश्यों की प्राप्ति हुई है अथ्वा नहीं।**

ट) **गृह कार्य (Home Assignment)-** गृहकार्य में ऐसी गतिविधियों का समावेश हो जिससे बच्चों के सृजनात्मकता, समस्या समाधान, तार्किक क्षमता, चिन्तन आदि का विकास हो सके तथा वह मूल्यांकन/मापन योग्य हो।

नोट–पाठयोजना उपर्युक्त दिये गये निर्देशों के अनुसार अथवा विभिन्न शिक्षा शास्त्रियों द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तों व सोपानों (steps) के अनुसार लिखी जा सकती है। साथ ही शिक्षक द्वारा छात्रों की आवश्यकता के आधार पर कक्षा–शिक्षण की प्रक्रिया को भी योजना के रूप में लेखबद्ध किया जा सकता है।